हरद्विार-ऋषकिेश के लयि री-डेवलपमेंट प्लान, दून में बनेगी कैपटिल सटिी

चर्चा में क्यों?

5 अप्रैल, 2023 को मीडयि सूत्रों से मलि जानकारी के अनुसार धर्मनगरी हरद्विार और योग नगरी ऋषकिेश की ऐतहिासकि वरिासतों का संरक्षण करते हुए राज्य सरकार री-डेवलपमेंट प्लान ला रही है। वहीं, रायपुर में कैपटिल सटिी और जौलीग्रांट में एयरोसटिी नरि्माण की प्रक्रयिा भी आगे बढ़ने लगी है।

प्रमुख बदिु

- मैकेंजी ग्लोबल ने हाल ही में इस बदलाव का प्रस्तुतकिरण भी दयि है। इसके तहत कृषभिूमकिा अधग्रिहण कर उस पर ग्रीन फील्ड टाउनशपि वकिसति करने की भी योजना है।
- हरद्विार में चार क्षेत्रों देवपुरा से भूपतवाला (दूधा धारी चौक), हर की पौड़ी और आसपास के 1.5 कमिी. क्षेत्र, कनखल क्षेत्र में दक्ष मंदरि व सन्यास रोड और भूपतवाला से सप्तऋषआिश्रम में भारत माता मंदरि तक हेरटिेज मास्टर प्लान तैयार कयि जा रहा है।
- इसके तहत भारत माता मंदरि, हर की पौड़ी, मनसा देवी, माया मंदरि, नारायणी शलिा मंदरि, सती कुंड, दक्ष मंदरि, हनुमान मंदरि और चंडी देवी मंदरि को शामलि कयि जाएगा। जबकि ऋषकिेश में तीन क्षेत्रों को इसके लयि चन्हि्तकिया गया है।
- जानकारी के अनुसार राज्य सरकार रायपुर में 85 हेक्टेयर भूमपिर कैपटिल सटिी बनाने जा रही है। इसके लयि वन वभिाग ने 60 हेक्टेयर ज़मीन भी दे दी है।
- रायपुर में कैपटिल सटिी बनाने से सरकार की करीब 200 एकड़ भूमपिर बनी सरकारी इमारतें खाली हो जाएंगी। मैकेंजी ग्लोबल का आकलन है कि यह संपत्ति 5000 से 6000 करोड़ कीमत की होगी। इसस शहरों में बड़े पैमाने पर वकिास का खाका तैयार हो सकेगा। वहीं, इन क्षेत्रों में नरि्माण पर एक्सट्रनल डेवलपमेंट चार्ज देना होगा।
- यह कैपटिल सटिी उत्तर में रायपुर से थानो रोड तक, दक्षणि में हरद्विार रोड तक, पश्चमि में ऑर्डनिेंस फैक्ट्री सीमा को छोड़कर नाले के पूरब तक और पूरब में भोपालपानी, बडासी ग्रांट व कालीमाटी ग्राम की सीमा तक बनेगी।
- 60 हेक्टेयर भूमपिर सचविालय, वधिानसभा, नदिशालय, प्रोजेक्ट ऑफसि बनेंगे। जबकि महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के पास 25 हेक्टेयर ज़मीन पर आवासीय और व्यावसायकि प्रोजेक्ट का नरि्माण कयि जाएगा। नजिी नविेश करने वालों को यहाँ 30 साल तक छूट मलिेगी।
- जौलीग्रांट एयरपोर्ट के पास राज्य सरकार एयरोसटिी बनाने जा रही है। इसमें इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, मेडकिल, हॉस्पटिैलटिी और कॉमर्शयिल कांप्लेक्स बनेंगे। यहाँ एयरपोर्ट से संबंधति इंस्ट्रूमेंट लैंडगि, हेलीपोर्ट, नाइट लैंडगि की सुवधिा भी मलि सकती है।
- इससे पाँच से छह हजार युवाओं को रोज़गार मलिेगा। हर साल यहाँ पाँच से छह हजार करोड़ का कारोबार होगा। राज्यवासयिों को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सुवधिाएँ मलि सकेंगी।
- यह 100 एकड़ ज़मीन पर बनेगा। इसमें 50 एकड़ में आईटी सटिी, 20 एकड़ में मेडसिटिी, 15 एकड़ में कॉमर्शयिल और 15 एकड़ में हॉस्पटिैलटिी का प्रोजेक्ट बनेगा।
- यहाँ वदिेशों की तर्ज पर पार्क स्थापति कयि जाएगा। पार्क में जॉगगि, साइकलिगि ट्रैक और ध्यान लगाने के लयि हट की व्यवस्था होगी। साथ ही लैंड स्केपगि और आस्ट्रेलयिन ग्रास लगाने पर वचिार चल रहा है। वहीं, हर मौसम में पार्कों में फूल और हरयिाली नज़र आएगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/re-development-plan-for-haridwar-rishikesh,-capital-city-to-be-built-in-doon